Total No. of Printed Pages—4

# 6 SEM TDC DSE HND (CBCS) 1 (H)

## 2025

( May )

## HINDI

( Discipline Specific Elective )

( For Honours )

Paper : DSE–1

**( तुलसीदास )**

*Full Marks* : 80

*Pass Marks* : 32

*Time* : 3 hours

*The figures in the margin indicate full marks for the questions*

**1.** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×8=8

(क) हिन्दी साहित्याकाश में चन्द्रमा का स्थान किस कवि को दिया गया है?

(ख) 'रामचरितमानस' की रचना तुलसीदास ने किस भाषा में की है?

(ग) 'रामचरितमानस' में कुल कितने काण्ड हैं?

(घ) तुलसीदास ने 'कवितावली' की रचना किस भाषा में की है?

(ङ) तुलसीदास ने किस काव्य की रचना सूरदास के अनुकरण पर की है?

(च) 'कलिकाल का बाल्मीकि' तुलसीदास को किसने कहा है?

(छ) 'गीतावली' प्रबंध काव्य/मुक्तक काव्य है। सही विकल्प चुनकर लिखिए।

(ज) 'विनयपत्रिका' काव्य में कवि ने पहली प्रार्थना किसकी की है?

**2.** निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4×4=16

(क) तुलसीदास ने किस कारण सांसारिक जीवन से वैराग्य लेकर रामभक्ति को अपना उद्देश्य बनाया? संक्षेप में लिखिए।

(ख) तुलसीदास द्वारा रचित 'रामचरितमानस' के चार प्रमुख काण्डों के नाम लिखिए।

(ग) ''अयोध्याकाण्ड को रामचरितमानस का हृदय-स्थल माना जाता है।'' तर्क सहित उत्तर दीजिए।

(घ) तुलसी की ''कवितावली युगबोध की कविता है''। स्पष्ट कीजिए।

(ङ) 'गीतावली' किसकी रचना है एवं इसमें कवि ने क्या संदेश दिया है?

(च) 'विनयपत्रिका' में व्यक्त तुलसीदास की भक्ति-भावना पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।





**3.** निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×2=16

(क) ''धीरजु धरेउ कुअवसर जानी। सहज सुहृद बोली मृदु बानी।।
तात तुम्हारि मातु बैदेही। पिता रामु सब भाँति सनेही।।
अवध तहाँ जहँ राम निवासू। तहँई दिवसु जहँ भानु प्रकासू।।
जौ पै सीय रामु बन जाही। अवध तुम्हार काजु कछु नाहि।।''

**अथवा**

''बरन-धरमु गयो, आश्रम निबासु तज्यो, त्रासन चकित सो परावनों परो-सो है।
करमु उपासना कुबासनाँ बिनास्यों ग्यानु, बचन-बिराग, बेष जगतु हरो-सो है।।
गोरख जगाओ जोगु, भगति भगाओं लोगु, निगम-नियोगते सो केलि ही छरो-सो है।
कायँ-मन बचन सुभायँ तुलसी है जाहि, राम नाम को भरोसो, ताहिको-भरोसो है।''

(ख) ''भोर भयो जागहु रघुनंदन। गत व्यलीक भगतनि उर चंदन।।
ससि करहीन, छीन दुति तारे। तम चुर मुखर सुनहु मेरे प्यारे।।
बिकसित कंज, कुमुद बिलखाने। लै पराग रस मधुप उड़ाने।।
अनुज सखा सब बोलनि आये। बैदिन्ह अति पुनीत गुन गाये।।''

**अथवा**

''जाके गति है हनुमान की।
ताकी पैज पूजि आई, यह रेखा कुलिस पषान की।।
अघटित-घटन, सुघट-बिघटन, ऐसी बिरुदावलि नहिं आनकी।
सुमिरत संकट-सोच-बिमोचन, मूरति मोद-निधान की।।''

**4.** निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×4=40

(क) तुलसीदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

(ख) "तुलसीदास के समान समन्वयवादी कोई भक्त या कवि नहीं हुआ।" इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं? सतर्क उत्तर दीजिए।

(ग) 'रामचरितमानस' के अयोध्याकाण्ड के भाव-पक्ष पर प्रकाश डालिए।

(घ) भक्तिकाव्य धारा में तुलसीदास की 'कवितावली' का स्थान निर्धारित कीजिए।

(ङ) 'गीतावली' काव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए।

(च) "तुलसीदासकृत 'कवितावली' में विनय, भक्ति और दर्शन की त्रिवेणी एकसाथ प्रवाहित हुई है।" उदाहरण सहित उत्तर दीजिए।

(छ) 'विनयपत्रिका' का मूल्यांकन गीतिकाव्य के तत्त्वों के आधार पर कीजिए।

(ज) 'विनयपत्रिका' के काव्य-सौष्ठव पर प्रकाश डालिए।

★★★

Total No. of Printed Pages—4

# 6 SEM TDC DSE HND (CBCS) 2 (H)

**2025**

( May )

HINDI

( Discipline Specific Elective )

( For Honours )

Paper : DSE–2

( प्रेमचंद )

*Full Marks* : 80

*Pass Marks* : 32

*Time* : 3 hours

*The figures in the margin indicate full marks for the questions*

**1.** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×8=8

(क) 'सेवासदन' किस प्रकार का उपन्यास है?

(ख) सुमन का विवाह किससे होता है?

(ग) 'कर्बला' कहाँ पर अवस्थित है?

(घ) इमाम हुसैन को किसने मारा?

(ङ) प्रेमचंद भाषा को साधन या साध्य मानते हैं?

(च) 'दो बैलों की कथा' कहानी में दोनों बैलों का क्या नाम है?

(छ) हामिद ईदगाह से अपनी दादी के लिए क्या खरीद कर लाता है?

(ज) प्रेमचंद किस प्रकार के उपन्यासकार माने जाते हैं?

2. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×3=24

(क) विपक्षी कहता है, यह व्यर्थ की शंका है। सहस्रों युवक नित्य शहरों में घूमते रहते हैं, किन्तु उनमें से विरला ही कोई बिगड़ता है। वह मानव-पतन का प्रत्यक्ष प्रमाण चाहता है। किन्तु उसे मालूम नहीं कि वायु की भाँति दुर्बलता भी एक अदृश्य वस्तु है, जिसका ज्ञान उसके कर्म से ही हो सकता है। हम इतने निर्लज्ज, इतने साहस-रहित क्यों हैं? हममें आत्मगौरव का इतना अभाव क्यों है? हमारी निर्जीवता का क्या कारण है? ये मानसिक दुर्बलता के लक्षण हैं।

अथवा

व्यंग्य और क्रोध में आग और तेल का सम्बन्ध है। व्यंग्य हृदय को इस प्रकार विदीर्ण कर देता है, जैसे छैनी बर्फ के टुकड़े को। सुमन क्रोध से विह्वल होकर बोली, "अच्छा तो जबान सँभालो बहुत हो चुका। घंटे भर से मुँह में जो अनाप-शनाप आता है, बकते हो। मैं तरह देती जाती हूँ, उसका यह फल है। मुझे कोई कुलटा समझ लिया है?"

(ख) मेरा दिल अभी तक हुसैन से जंग करने को तैयार नहीं होता। चाहता हूँ किसी तरीके से सुलह हो जाय, मगर तीन क़ासिदों में से एक भी मेरे खत का जवाब न ला सका। एक तो हजरत हुसैन के पास जा ही न सका, दूसरा शर्म के मारे रास्ते ही से किसी तरफ खिसक गया और तीसरे





ने जाकर हुसैन की बैयत अख्तियार कर ली। अब और क़ासिदों को भेजते हुए डरता हूँ कि इनका भी वही हाल न हो।

अथवा

अब्बास : आप एतबार करें, लेकिन मैं आपको वहाँ जाने की हरगिज सलाह न दूँगा। इस सन्नाटे में अगर उसने कोई दगा की तो कोई फर्याद भी न सुनेगा। आपको मालूम है कि मखान कितना दगाबाज और हरामकार है। मैं उसके साए से भी भागता हूँ। जब तक आप मुझे यह इतमीनान न दिला दीजिएगा कि दुश्मन यहाँ आपका बाल बाँका न कर सकेगा मैं दामन न छोड़ूँगा।

(ग) अब साहित्य केवल मन बहलाव की चीज नहीं है, मनोरंजन के सिवा उसका और भी कुछ उद्देश्य है। अब वह केवल नायक-नायिका के संयोग-वियोग की कहानी नहीं सुनता, किन्तु जीवन की समस्याओं पर भी विचार करता है और उन्हें हल भी करता है।

अथवा

शाम हो गयी। खँडहर में चमगादड़ों ने चीखना शुरू किया। अब बीसों आ-आकर अपने घोंसलों से आ चिपटीं, पर दोनों खिलाड़ी डटे हुए थे। मानो दो खून के प्यासे सूरमा आपस में लड़ रहे हों। मिर्जा जीती बाजियाँ लगातार हार चुके थे, इस चौथी बाजी का रंग भी अच्छा न था। वह बार-बार जीतने का दृढ़ निश्चय कर सँभलकर खेलते थे, लेकिन एक न एक चाल ऐसी बेढग आ पड़ती थी, जिससे बाजी खराब हो जाती थी। हर बार हार के साथ प्रतिकार की भावना और उग्र होती जाती है।

**3.** निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 12×4=48

(क) ''सुमन के चरित्र का मूल्यांकन आप किस रूप से करेंगे—एक निर्बल या सबल चरित्र की नायिका के रूप में?'' अपने विचार प्रकट कीजिए।

(ख) ''प्रेमचन्दजी की भाषा को क्या आम बोलचाल की उर्दू-मिश्रित हिन्दी कहा जा सकता है।'' इस कथन के संदर्भ में 'सेवासदन' की भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए।

(ग) 'कर्बला' नाटक की रंगमंचीयता पर प्रकाश डालिए।

(घ) 'कर्बला' नाटक के आधार पर यजीद का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ङ) ''अब साहित्य केवल मन बहलाव की चीज नहीं है।'' इस कथन के माध्यम से प्रेमचंद क्या कहना चाहते हैं? 'साहित्य के उद्देश्य' निबंध के आधार पर प्रकाश डालिए।

(च) ''प्रेमचंद हिन्दी के प्रथम मौलिक उपन्यासकार हैं, साथ ही हिन्दी-उपन्यास-साहित्य के केन्द्र-बिन्दु भी हैं।'' इस कथन की विवेचना करते हुए अपना मत दीजिए।

(छ) कहानी-कला की दृष्टि से 'ईदगाह' कहानी का मूल्यांकन कीजिए।

(ज) प्रेमचंद की प्रसिद्ध कहानी 'पंच परमेश्वर' की कहानी के तत्त्वों के आधार पर समीक्षा कीजिए।

★ ★ ★